	Business	Time Allotted
(d)	The Admiralty (Jurisdiction and Settlement of Maritime Claims) Bill, 2017	One hour
(e)	The Collection of Statistics Amendment) Bill, 2017	One hour
(f)	The National Institutes of Technology, Science Education and Research (Amendment) Bill, 2017	One hour

---

REGARDING THE DEMAND FOR INCREASE IN THE SALARIES AND ALLOWANCES OF THE MEMBERS OF PARLIAMENT AND ISSUE RELATED TO PROBLEMS OF FARMERS IN THE COUNTRY

श्री दिग्विजय सिंह (मध्य प्रदेश): माननीय उपसभापति महोदय ...**(व्यवधान)**... माननीय उपसभापति महोदय ...**(व्यवधान)**...

श्री नरेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What is your point of order? ...(*Interruptions*)...

श्री नरेश अग्रवाल: माननीय उपसभापति जी, इस सदन की संरचना संविधान के अनुरूप हुई है। संविधान के आर्टिकल 80 में इस सदन की संरचना हुई कि इसमें कितने मेम्बर्स होंगे और उनके क्या वेतन-भत्ते होंगे। श्रीमन्, ऐसा लगता है, जैसे हम बेघर हो गए हैं। वेतन-भत्ते के लिए जो नियम बने, उन नियमों के साथ एक कमेटी बनी ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Where is the point of order in that? ...(*Interruptions*)...

श्री नरेश अग्रवाल: सर, प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है, आप रुकिए। मैं यह इसलिए कह रहा हूं कि Seventh Pay Commission लागू हो गया और हम लोगों का कहना यह है कि हमारे वेतन-भत्ते के लिए जो कमेटी बनी, जिसके अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के मौजूदा मुख्य मंत्री, श्री योगी जी थे, उन योगी जी ने एक संस्तुति भेजी। वह पूरी संस्तुति क्या है, यह कोई नहीं जानता, लेकिन मीडिया में प्रचारित किया जाता है कि देश का सब कुछ खा रहे हैं, तो एमपी खा रहे हैं। एमपी फ्री खा रहे हैं, एमपी फ्री घूम रहे हैं, लेकिन श्रीमन्, सत्य यह है कि हमारी सैलरी, हमारा जो सेक्रेटरी है, उससे भी नीचे है। स्टैंडिंग कमेटी के जो चेयरमैन हैं, उनका जो एडिशनल सेक्रेटरी है, उसकी पे देख लीजिए और चेयरमैन की पे देख लीजिए। एमएलएज़ की सैलरी तीन-तीन लाख रुपए हो गई, लेकिन आज हम कितनी सैलरी पा रहे हैं? सदन के सभी सदस्यों से पूछ लीजिए, हो सकता है कि कुछ लोग 50 हजार रुपए में अपना घर चला लेते हों। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. ...(*Interruptions*)... You have made your point. ...(*Interruptions*)... All right. ...(*Interruptions*)... You have made your point. ...(*Interruptions*)... Yes. ...(*Interruptions*)...

श्री नरेश अग्रवाल: श्रीमन्, ऐसा लगता है कि जैसे हम भीख मांग रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः आप अपनी बात कह चुके हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री नरेश अग्रवालः श्रीमन्, इस पर जवाब देना पड़ेगा। ...**(व्यवधान)**... ऐसा लग रहा है कि जैसे हम भीख मांग रहे हैं। हमें भीख नहीं चाहिए। अगर आपको मना करना है, तो आप साफ मना कर दीजिए या सरकार को मना करना है, तो साफ मना कर दीजिए, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए कि लगे कि एमपीज़ भीख मांग रहे हैं। ...**(व्यवधान)**... आप हमको सेवन्थ पे कमिशन के साथ जोड़ दीजिए। हमने कहा कि आप केबिनेट सेक्रेटरी से एक हजार रुपए ज्यादा कर दीजिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः हो गया...**(व्यवधान)**... You have made your point. ...*(Interruptions)*...

श्री नरेश अग्रवालः श्रीमन्, आप इस पर जवाब दिलवा दीजिए। ...**(व्यवधान)**... ऐसा लग रहा है कि जैसे रोड पर खड़े होकर ...**(व्यवधान)**... यह गलत है। ...**(व्यवधान)**... डिप्टी चेयरमैन साहब, मैं इस पर सदन के well में बैठ जाऊंगा। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः मैंने मंत्री को रोका नहीं है। ...**(व्यवधान)**...

श्री नरेश अग्रवालः श्रीमन्, अगर सरकार ने इस पर जवाब नहीं दिया, तो मैं मजबूर होकर well में बैठ जाऊंगा। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः मैंने मंत्री को रोका नहीं है।...**(व्यवधान)**...

श्री नरेश अग्रवालः श्रीमन्, ऐसा नहीं लगे कि हम भीख मांग रहे हैं, हम बेघर नहीं हैं। ...**(व्यवधान)**... हमारी स्थिति इतनी खराब नहीं हुई है। ...**(व्यवधान)**...

श्री आनन्द शर्मा (हिमाचल प्रदेश)**:** सर, ऐसा है कि नरेश अग्रवाल जी ने जो विषय उठाया है, वह सारे सांसदों से संबंधित है।

श्री उपसभापतिः लेकिन....

श्री आनन्द शर्माः उपसभापति महोदय, संसद नियमों पर चलती है, समितियां बनी हैं। अगर भारत की संसद ने दोनों सदनों की एक ज्वाइंट कमेटी बनाई है, जो सैलरीज़ और अलाउंसेज़ को देखती है, पहले तो दुनिया भर में कहीं भी सांसदों को इतना अपमानित, प्रताड़ित और बदनाम नहीं किया जाता, जितना हिन्दुस्तान में किया जाता है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. ...*(Interruptions)*... हो गया। ...**(व्यवधान)**...

श्री आनन्द शर्माः सर, मेरी पूरी बात तो सुनिए ...**(व्यवधान)**... क्योंकि कहते हैं कि ये खुद अपनी तनख्वाह बढ़ा लेते हैं। ...**(व्यवधान)**... सर, मुझे अपनी बात पूरी करने दें। ...**(व्यवधान)**... एक तो यह कहते हैं कि ये अपनी तनख्वाह खुद बढ़ा लेते हैं। दूसरी बात यह है कि आप कोई दूसरा मेकिनिज्म, दूसरा प्रावधान कर दें कि पे कमिशन में जो तय होगा, जो दुनिया के दूसरे प्रजातंत्र के अंदर है, जो सीनियरमोस्ट सिविल सर्वेंट है, उससे चाहे आप एक रुपया ऊपर दें, जो आपका Warrant of Precedence कहता है। जो दुनिया के दूसरे प्रजातंत्र करते हैं, आप वह करिए। हमेशा यह होता है कि ये अपनी सैलरी खुद बढ़ा रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. ...(*Interruptions*)... Sharad Yadavji. ...(*Interruptions*)...

श्री आनन्द शर्माः सर, हम कोई भीख नहीं मांग रहे हैं। ...**(व्यवधान)**... कितना अपमानित करेंगे? ...**(व्यवधान)**... यहां दिल्ली का घर भी चलाते हैं और constituency का घर भी चलाते हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः शरद यादव जी, आपको क्या बोलना है? ...**(व्यवधान)**...

श्री आनन्द शर्माः सर, सांसदों के घर में कितने लोग आते हैं और जो लोग आलोचना करते हैं, उनके घर में कितने लोग आते हैं? ...**(व्यवधान)**... कितने लोग रेल का भाड़ा मांगते हैं? ...**(व्यवधान)**...

श्री शरद यादव (बिहार)ः उपसभापति जी...**(व्यवधान)**...

श्री नरेश अग्रवालः सर, यह गलत है। ...**(व्यवधान)**... ऐसा लग रहा है कि हम भीख मांग रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः मैं क्या करूं? ...**(व्यवधान)**...

श्री नरेश अग्रवालः सर ...**(व्यवधान)**...

श्री आनन्द शर्माः सर, मैं अपनी बात खत्म करता हूँ। ...**(व्यवधान)**... जो कहते हैं ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः मैंने मंत्री को रोका नहीं है। ...**(व्यवधान)**...

श्री आनन्द शर्माः सर, या तो इस सदन के अंदर केवल संपन्न लोग आएं या जनता के प्रतिनिधि आएं। ...**(व्यवधान)**... या तो सिर्फ वे धन पशु आएं, जिनके पास पैसा हो ...**(व्यवधान)**... या उनके प्रतिनिधि आएं या लोगों के प्रतिनिधि आएं ...**(व्यवधान)**... यह सोचना है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All right. ...(*Interruptions*)...

श्री नरेश अग्रवालः सर, पहले इसका जवाब आना चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री दिग्विजय सिंहः सर ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: After Shri Sharad Yadav. ...(*Interruptions*)... I have called Sharadji. ...(*Interruptions*)... After Sharadji, I will allow. ...(*Interruptions*)...

श्री शरद यादवः सर, हिन्दुस्तान भर के किसान, चारों तरफ से, यहां से वहां तक, पूरे देश के किसान कल से यहां आए हुए हैं। मैं पहले आपसे निवेदन करना चाहता हूँ कि देश भर से हर तरह के, सारे संगठनों के लोग कल आए हुए थे। देश में जिस तरह की... यह याद रखना चाहिए कि देश का मतलब है भारत का किसान। आज हिन्दुस्तान में रोज़ 15 से 20 किसान आत्महत्या करते हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः शरद जी, इसके बारे में डिस्कशन होने वाला है।

श्री शरद यादवः सर, मैं एक मिनट में अपनी बात समाप्त करूंगा।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. ...(*Interruptions*)... आप बोलिए।

श्री शरद यादवः सर, मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूँ कि लोग आए थे, उनकी भावनाओं को मैं इस सदन में नहीं रखूंगा।.... मेरी आपसे विनती है कि किसानों ने दाल का उत्पादन 33 फीसदी बढ़ाया है और सरकार ने बाहर से दाल मंगाने का जो काम किया... आपने 425 रुपए अरहर, उड़द.... ये तीनों दालों के दाम बढ़ाए, इससे डिस्ट्रेस सेल हो रही है।...**(व्यवधान)**..

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. ...(*Interruptions*)...

श्री शरद यादवः आपने गेहूँ के इम्पोर्ट पर इम्पोर्ट ड्यूटी को ज़ीरो से 10 फीसदी कर दिया है। मैं उस पर नहीं कहना चाहता हूँ, लेकिन किसानों ने मेहनत करके दाल का उत्पादन बढ़ाया। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. ...(*Interruptions*)... इस पर डिस्कशन हो जाएगा। ...**(व्यवधान)**...

श्री शरद यादवः सर, यहां पर शरद पवार जी बैठे हुए हैं, इस सदन में पूरी सरकार ने, यूपीए सरकार ने... किसानों ने पूरी मेहनत करके दाल का उत्पादन 33 प्रतिशत बढ़ाया। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः इस पर Short Duration Discussion हो जाएगा। ...**(व्यवधान)**...

श्री शरद यादवः सर, इतनी मेहनत करके, कष्ट उठा करके किसानों ने उत्पादन किया, लेकिन उनको अपने उत्पाद की कीमत नहीं मिल रही है। डिस्ट्रेस सेल हो रही है। ...**(व्यवधान)**... इसिलए मैं सरकार से कहूंगा कि जब इस पर बहस हो, तो वे बताएं कि दाल की कीमत कब बढ़ा रहे हैं? ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. ...(*Interruptions*)... Short Duration Discussion हो जाएगा। ...**(व्यवधान)**... श्री दिग्विजय सिंह।

श्री दिग्विजय सिंहः सर, देश के एक सौ से ज्यादा किसान संगठन कल से जंतर-मंतर पर बैठे हुए हैं और जैसा कि शरद यादव जी ने कहा है ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः इसलिए इस पर डिस्कशन करना है। ...**(व्यवधान)**...

श्री दिग्विजय सिंहः सर, जैसा कि शरद यादव जी ने कहा है कि किसानों की समस्या देशव्यापी है, लेकिन सरकार मौन है। हम आपसे अनुरोध करते हैं, मैंने नियम 267 के अंतर्गत भी अनुरोध किया है कि इस विषय पर सदन में चर्चा कराई जाए। अगर आपने इसे चर्चा के लिए स्वीकार किया है, तो आज नहीं तो कल इस विषय पर चर्चा होनी चाहिए, क्योंकि पूरा देश आन्दोलित है। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य देने की बजाय गोलियां दी जा रही हैं। जैसा आपने बताया, import duty को लेकर, ...**(व्यवधान)**... यह भ्रष्टाचार का बहुत बड़ा माध्यम बन चुका है। जब उत्पादन बढ़ता है तो import duty zero कर दी जाती है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, all right. ...(*Interruptions*)... We are going to have a discussion. ...(*Interruptions*)...

SHRI DIGVIJAYA SINGH: Sir, this is what I am saying. ...(*Interruptions*)... Please accept it as soon as possible. ...(*Interruptions*)... It is listed for tomorrow. ...(*Interruptions*)... पूरे देश के किसान यहां आए हुए हैं और आन्दोलन कर रहे हैं। **...(व्यवधान)...**

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): मैं खुद जंतर-मंतर गया था। वहां देश भर से किसान आए हैं। वहां किसान ही नहीं, उनके बच्चे भी आए हैं, जिन किसानों ने खुदकुशी की है। आप उनकी व्यथा सुनिए, उनकी करुण कथा सुनिए कि क्या हो रहा है? आठ लाख करोड़ रुपया NPA का corporate घरानों की तरफ, बड़े-बड़े सरमाएदारों की तरफ बकाया है। **..(व्यवधान)...** क्योंकि वे suicide नहीं करते हैं, लेकिन किसान suicide कर रहा है, **...(व्यवधान)...** यह बहुत गम्भीर मामला है। **...(व्यवधान)...**

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Mr. Deputy Chairman, Sir, ...(*Interruptions*)...

श्री अली अनवर अंसारी: यहां किसानों के बच्चे आए थे, उनकी विधवाएं आई थीं। वे सब तड़प रहे हैं, रो रहे हैं, चीख रहे हैं, पुकार रहे हैं। **...(व्यवधान)...**

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, okay. ...(*Interruptions*)... Now, ...(*Interruptions*)... Now, let me come back to notices under Rule 267. ...(*Interruptions*)... Sit down. ...(*Interruptions*)... Sit down. ...(*Interruptions*)... Now, let me come back to Rule 267. ...(*Interruptions*)... It is not going on record. ...(*Interruptions*)...

SHRI ALI ANWAR ANSARI: *

SHRI ANAND SHARMA: Sir, ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let me come back to Rule 267. ...(*Interruptions*)... You have made your point. ...(*Interruptions*)...

श्री आनन्द शर्मा: उपसभापति जी, जो विषय यहां उठाया गया है, वह बहुत serious है। **..(व्यवधान)...** किसानों की समस्या गम्भीर है। उनकी कर्जमाफी को लेकर यह सरकार कुछ नहीं बोल रही है। राज्य सरकार कुछ दे नहीं रही है। **...(व्यवधान)...** इससे किसान परेशान हैं। **...(व्यवधान)...** Sir, the matter is serious... ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is what I am saying. We are going to have a discussion. ...(*Interruptions*)... Today, ...(*Interruptions*)... Now, please listen ...(*Interruptions*)...

श्री नरेश अग्रवाल: मैंने भी नियम 267 के अंतर्गत किसानों की समस्या पर नोटिस दिया है। **...(व्यवधान)...** मैं भी चाहता हूं कि इस पर चर्चा होनी चाहिए। **...(व्यवधान)...**

श्री उपसभापति: ठीक है, ठीक है। मैं उसी के बारे में कह रहा हूं। आप पहले सुनिए। **...(व्यवधान)...** I am going to say on that. ...(*Interruptions*)... Sit down. ...(*Interruptions*)...

---

*Not Recorded.

[श्री उपसभापति]

Now, listen, please. ...(*Interruptions*)... Today, we are having a Short Duration Discussion. You know it already and the next subject is already decided and, that is, *Kisan's* problem. ...(*Interruptions*)... It is very important and very serious.

SHRI SUKHENDU SEKHAR ROY (West Bengal): Sir, that should be discussed tomorrow. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, I will report it to the hon. Chairman. ...(*Interruptions*)... Yes, we will have a discussion. ...(*Interruptions*)... Now, with regard to this *Kisan* matter, that is, the agrarian distress, a number of notices under Rule 267 are there. I will read out the names but since we are slated for a discussion, I am not allowing Rule 267 to be raised here but the notices were given by Shri Anand Sharma, Shri Sharad Yadav, Shri Pramod Tiwari, Shri Naresh Agrawal, and Prof. Ram Gopal Yadav. Then, Shri Ghulam Nabi Azad's is on *Dalit* issue, which is coming up today. Shri D. Raja's is on Minority issue, which is coming up today. ...(*Interruptions*)...

SHRI DIGVIJAYA SINGH: Sir, I have also given. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Pramod Tiwari, Shri Kapil Sibal and Shri Sitaram Yechury. These are the notices received. ...(*Interruptions*)...

SHRI DIGVIJAYA SINGH: Sir, I have given Rule 267 notice. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Which one? ...(*Interruptions*)...

SHRI DIGVIJAYA SINGH : On Kisan. ...(*Interruptions*)... Sir, I have given the Rule 267 notice. ...(*Interruptions*)... I have given it twice. ...(*Interruptions*)...

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU: Mr. Deputy Chairman, Sir, I have given Rule 267 notice. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is not in the list. ...(*Interruptions*)...

SHRI DIGVIJAYA SINGH: Sir, it is there.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, I will examine it. ...(*Interruptions*)...

SHRI DIGVIJAYA SINGH: But, Sir,... ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No; if you say, you have given, I am not disputing it, I will examine it. ...(*Interruptions*)...

SHRI DIGVIJAYA SINGH : Sir,... ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Anyhow you said and I allowed you to speak. ...(*Interruptions*)... Anyhow you spoke. ...(*Interruptions*)... So, now, let me come back to Zero Hour Submissions. ...(*Interruptions*)...

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU: Sir, I have given Rule 267 notice. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let me come back to Zero Hour Submissions. ...(*Interruptions*)... Yes, your Zero Hour notice is there. ...(*Interruptions*)...

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU: Deputy Chairman, Sir, I have given notice under Rule 267. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let me come back to Zero Hour Submissions. ...(*Interruptions*)... Shri A. K. Selvaraj. ...(*Interruptions*)...

SHRI A. K. SELVARAJ (Tamil Nadu): Respected, Deputy Chairman, Sir, ...(*Interruptions*)...

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU: Mr. Deputy Chairman, Sir, I have given notice under Rule 267. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, that is not on this issue. ...(*Interruptions*)... No, that is not permitted. ...(*Interruptions*)... That is not permitted at all. ...(*Interruptions*)...

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU: That is... ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, that is what I am saying. ...(*Interruptions*)... That is quite a different subject. ...(*Interruptions*)...

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU: Mr. Deputy Chairman, Sir, you mention exactly about my notices ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is a different subject. ...(*Interruptions*)... You repeat it. ...(*Interruptions*)...

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU: Sir, what is the different subject? ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You can repeat that. ...(*Interruptions*)... You can repeat that. ...(*Interruptions*)...

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU: Sir, you did not mention my name. ...(*Interruptions*)... I have given my notice. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, I am not reading out all the names. ...(*Interruptions*)...

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU: Sir, I have given notice for suspension of the Business of the House for the day ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You repeat the notice. ...(*Interruptions*)...

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU: Sir, GST is destroying the ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay; all right. Sit down. Now, Shri Selvaraj. Nothing else will go on record. ...(*Interruptions*)... That will not go on record.

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU:*

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Need to get Presidential assent to the NEET Bill, passed by the Tamil Nadu Legislative Assembly

SHRI A. K. SELVARAJ (Tamil Nadu): Respected Deputy Chairman, Sir, the students of Tamil Nadu were agitating against NEET since its announcement as they have all studied on the basis of State syllabus and now, all of a sudden moving to some other syllabus for the purpose of NEET cannot be accepted. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Rapolu, sit down. That is not going on record. ...(*Interruptions*)... I have not permitted you. ...(*Interruptions*)... You repeat the notice if you want. ...(*Interruptions*)...

SHRI A. K. SELVARAJ: Therefore, the State Government of Tamil Nadu enacted a Bill titled NEET Bill. The Bill seeking exemption for Tamil Nadu students from the NEET was unanimously passed in the State Assembly in January, 2017 and it was sent to the Centre for Presidential assent, but till date there has been no response. ...(*Interruptions*)...

The NEET was against the interest of Tamil Nadu students aspiring for MBBS admission and the test was based on Central Board of Secondary Education syllabus. ...(*Interruptions*)... But 98 per cent of Tamil Nadu students had studied on State syllabus. ...(*Interruptions*)... If a question was asked out-of-syllabus in public examinations, the students from Tamil Nadu may not be able to answer them properly. In such a situation, it was not acceptable to compel the Tamil Nadu students to write NEET examination which would be based on CBSE syllabus. ...(*Interruptions*)... The aspiring students had been left in the lurch due to the inaction of the Centre on NEET Bill.

---

* Not recorded.